



## भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर Indian Institute of Technology Bhubaneswar

### प्रेस विज्ञप्ति

### आईआईटी भुवनेश्वर में दूसरे सीएसआर कॉन्क्लेव में सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और सर्कुलर इकोनॉमी पर चर्चा

**भुवनेश्वर, 10 जनवरी 2025:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के सीएसआर सेल द्वारा 10 जनवरी 2025 को आईआईटी भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क के सहयोग से आयोजित दूसरे सीएसआर कॉन्क्लेव में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श किया गया। उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और सरकारी एजेंसियों के वक्ताओं और प्रतिभागियों ने व्यापक विषय 'सतत प्रभाव के लिए एकजुट होना' और कॉन्क्लेव के विषय 'सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और परिपत्र अर्थव्यवस्था' पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने कहा: "कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की भूमिका को रक्तदान के सादृश्य से समझा जा सकता है। इस सेवा से देने वाले और पाने वाले दोनों को लाभ होता है। ताजा रक्त दाता के शरीर में खोए हुए रक्त की भरपाई करता है, जिससे दाता का सामान्य स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके अलावा, हमें पारंपरिक "इस्तेमाल करो और फेंक दो" की मानसिकता से हटकर स्थिरता को महत्व देने वाली मानसिकता की ओर बढ़ना चाहिए। पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके, हम अपनी जरूरतों को पूरा करते हुए, सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करते हुए अपने पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने भोजन की बर्बादी को कम करने से लेकर प्लास्टिक के उपयोग से बचने के उपायों तक विभिन्न संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा की गई पहल का उल्लेख किया।

श्री बी.के. मिश्रा, संयोजक, सीएसआर फोरम, ओडिशा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में, उन्होंने कहा: "भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, ओडिशा ने पिछले डेढ़ दशक में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। एक मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ, राज्य अब देश में दूसरा सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य है। इस पृष्ठभूमि में, सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और परिपत्र अर्थव्यवस्था पर दूसरा सीएसआर सम्मेलन सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने और सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र के 2030 एजेंडा के साथ संरेखित करने के लिए शिक्षा, उद्योग, स्टार्ट-अप और गैर सरकारी संगठनों को एक साथ लाता है। कॉन्क्लेव नवाचार-संचालित सीएसआर रणनीतियों पर जोर देता है जो समावेशी विकास, स्थिरता और जवाबदेही को बढ़ावा देते हैं। ओडिशा, अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, कुशल कार्यबल और स्थिर शासन का लाभ उठाते हुए, अभूतपूर्व विकास के लिए तैयार है, जिसका लक्ष्य 2036 तक "विकासित ओडिशा" बनना है।

कॉन्क्लेव के मुख्य वक्ता श्री डी.के. मोहंती, अध्यक्ष (एचआरएम), जयसवाल नेको इंडस्ट्रीज, स्टील प्लांट डिवीजन ने अपने पेशेवर अनुभव से विभिन्न उदाहरणों का हवाला देते हुए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में क्या करें और क्या न करें पर प्रकाश डाला।

श्री जगदीश चंद्र, सर्कल प्रमुख, महाप्रबंधक (केनरा बैंक) सम्माननीय अतिथियों में से एक के रूप में उद्घाटन सत्र में शामिल हुए और केनरा बैंक द्वारा किए जा रहे विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए बैंक द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का भी संक्षेप में उल्लेख किया। श्री सुधि रंजन मिश्रा, प्रमुख, कॉर्पोरेट मामले, पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड, ओडिशा भी कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में सीएसआर के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वागत भाषण में, प्रोफेसर नरेश चंद्र साहू (संयोजक और प्रोफेसर प्रभारी, सीएसआर सेल, आईआईटी भुवनेश्वर) ने कहा: "कॉर्पोरेट घरानों को अपने सीएसआर कार्यक्रमों के अधिक प्रभाव के लिए अपनी अनिवार्य परिधि से आगे बढ़ना चाहिए। उन्हें सहयोग के लिए आगे आना चाहिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका में विशेषज्ञता वाले प्रमुख संस्थानों के साथ, जो बदले में सीएसआर को अधिक समृद्ध और प्रभावशाली प्रभाव डालने में मदद करेगा। उन्होंने वर्ष के विषय पर विस्तार से बताया और सतत विकास प्राप्त करने में सहयोग के महत्व पर जोर दिया के बारे में भी जानकारी दी आईआईटी भुवनेश्वर परिसर में काम करने वाले और रहने वाले प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए संस्थान के उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के सहयोग से सीएसआर सेल द्वारा साक्षरता मिशन चलाया जा रहा है संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्र स्वयंसेवकों के सहयोग से, यह साक्षरता कार्यक्रम सितंबर 2023 से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम के तहत, इन बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्थानीय स्कूलों में दाखिला लेने का अवसर भी मिला है।

कॉन्क्लेव के हिस्से के रूप में, 'यूनाइटेड फॉर सस्टेनेबल इम्पैक्ट: एन इंडस्ट्री एंड एकेडेमिया पर्सपेक्टिव' पर एक पैनल चर्चा में उद्योग जगत के नेताओं और सीएसआर विशेषज्ञों जैसे प्रो. प्रणय कुमार स्वैन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर); श्री धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा (क्षेत्रीय निदेशक), दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा और विकास बोर्ड केंद्रीय श्रम कल्याण सदन; श्री बिजॉय केतन पांडा सूचना विश्लेषक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और सुश्री रीता दाश, सहायक महाप्रबंधक, केनरा बैंक। कॉन्क्लेव में विभिन्न संस्थानों के अनुसंधान विद्वानों द्वारा पेपर प्रस्तुतियाँ भी देखी गईं।

रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क, आईआईटी भुवनेश्वर के सीईओ डॉ. शुभंकर पति ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। संस्थान के छात्र स्वयंसेवकों और लेडीज़ क्लब के सदस्यों को परिसर और उसके आसपास के समुदायों के कल्याण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सीएसआर कॉन्क्लेव 2025 ने विचारशील नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सीएसआर उत्साही लोगों के लिए एक साथ आने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सार्थक परिवर्तन लाने के लिए सहयोग करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया है। कॉन्क्लेव को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, आईएमएफए, केनरा बैंक, पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा समर्थित किया गया था।

-----